आउटकम/परफॉरमेन्स बजट 2023–24

विभाग का नाम–उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0 विभाग के अर्न्तगत प्रस्तावित प्रमुख एस0डी0जी–7

(धनराशि लाख रु0 में)

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		1–4 2022 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.03.2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2023–24	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
1	राज्य योजना	उत्तराखण्ड राज्य के विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा एवं 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने हेतु	—	4000.00 20000.00 13000.00	(1) 31.03.2023 तक 361 न0 33 के0वी0/11 के0वी0 उपसंस्थानों का निर्माण किया जा चुका है । (2) अतिरिक्त परिवर्तकों को लगाने तथा सम्बन्धित 11 के0वी0/एल0टी0 लाईनो के निर्माण सम्बन्धित कार्य सत प्रतिशत पूर्ण किया जा चुका है तथापि उक्त कार्य किया जाना सतत प्रक्रिया है । (3) A.D.B द्वारा वित्त पोषित योजना के अर्न्तगत एच.टी0 एवं एल.टी विद्युत लाईनों को भूमिगत किये जाने के कार्य किया जाना है उक्त योजना पर 832 करोड़ व्यय किया जाना है वर्ष 2025–26 तक पूर्ण किया जाना लक्ष्यान्वित है (4) R.D.S.S (रिवैप्ड डिस्ट्रीब्यूशन सैक्टर स्कीम) अनुमानित बजट 3719 करोड उक्त कार्य केन्द्रपोषित योजना के अर्न्तगत कराये जाने है ।	(1) वित्तीय वर्ष 2022–23 में 02 न0 नये 33/11 के0वी0 उपसंस्थानों के निर्माण, 70.78 कि0मी0, 3500 कि0मी0 एच0टी0 लाईन तथा 1500 कि0मी0 एल0टी0 लाईन निर्माण करने आदि का लक्ष्य है लक्ष्य का 90% कार्य पूर्ण हो चुका है । (2) सम्बन्धित कार्य सत प्रतिशत पूर्ण किया जा चुका है तथापि उक्त कार्य किया जाना सतत प्रक्रिया है । (3) A.D.B से वित्त पोषित कार्यो हेतु टेण्डर हो गया है जिसकी अन्तिमीकरण कार्य प्रगति पर है । —	(1). वित्तीय वर्ष 2023–24 में 10 न0 नये 33/11 के0वी0 उपसंस्थानों के निर्माण, 40 कि0मी0, 2000 कि0मी0 एच0टी0 लाईन तथा 1000 कि0मी0 एल0टी0 लाईन निर्माण करने आदि का लक्ष्य है (2) उत्तराखण्ड के विद्युत उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किया जा रहा है जिससे विद्युत चोरी बन्द होगी। (3) देहरादून क्षेत्र के अर्न्तगत विभिन्न 33 के0वी0 11 के0वी0 लाईनो को तथा L.T लाईनों को भूमिगत करने तथा सम्बन्धित अन्य कार्य आादि तथा कुमाऊँ क्षेत्र गढ़वाल क्षेत्र के अर्न्तगत नये 33 के0वी0 11 के0वी0 L.T लाईनो का निर्माण उपसंस्थानो का क्षमता वृद्धि का कार्य तथा जिससे विद्युत दुर्घटनाओं से बचाया जा सके तथा लाईन हानियों को कम करने (4) नये उपसंस्थानों का निर्माण/क्षमता वृद्धि एंव 33/11 के0वी0/एल0टी0 लाईनों का निर्माण, ए0बी0 केबिल डालना/ स्मार्ट मीटर लगाना आदि	(1). उत्तराखण्ड राज्य के समस्त विद्युत उपभोक्ताओं को 24 घण्टें निरन्तर गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना । (2) ए0टी0एण्ड0सी0 हानियों को 14.55% तक किया जाना है । (3) उत्तराखण्ड के समस्त प्रमुख शहरों के विद्युत लाईनों को भूमिगत करने से सम्बन्धित कार्य इससे एक ओर लाईन हानियॉ कम होगी तथा दूसरी ओर शहरो का सोन्दर्यकरण भी होगा ।	(1). स्तत प्रक्रिया है । (2). स्तत प्रक्रिया है । (3). 2025–26 (4). 2025–26
योग				37000.00					

संलग्नक–5

आउटकम बजट 2023–24

विभाग का नाम :– ऊर्जा विभाग (पॉवर ट्रान्समिशन कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि0 (पिटकुल))

विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित प्रमुख एस0डी0जी0:– एस0डी0जी0–7

(धनराशि रू0 लाख में)

योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		1/4/2022 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31/3/2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक स्थिति)	परिकल्पित (प्रोजेक्टड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टड) आउटकम वर्ष 2023–24	आउटकम हेतु सम्भावित समयवधि
		राजस्व	पूंजीगत					
उत्तराखण्ड इन्टीग्रेटीड ट्रासमिशन सिस्टम (ए0डी0बी0 वित्तपोषित योजना)	उत्तराखण्ड इन्टीग्रेटीड ट्रासमिशन सिस्टमके माध्यम से केन्द्र सरकार, राज्य सरकार तथा निजी क्षेत्रो को आवंटित विद्युत परियोजनाओं के द्वारा उत्पादित ऊर्जा का सुचारू निष्कासन किया जाना है।		18160	0 प्रतिशत	0 प्रतिशत (निविदा प्रक्रियाधीन है)	उत्तराखण्ड इन्टीग्रेटीड ट्रासमिशन सिस्टम एवम् उत्तराखण्ड के पारेषण तंत्र को सुदृढ करने हेतु प्रमुख परियोजनायें मुख्य है।	विभिन्न हाइड्रो परियोजनाओं द्वारा उत्पादित ऊर्जा सीधे प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र से जुडेगी तथा प्रदेश के उपभोक्ताओं को कम लागत की जल विद्युत ऊर्जा की प्राप्ति होगी।	5 वर्ष
राज्य सेक्टर (आर0ई0सी, नाबार्ड व पी0एफ0सी पोषित योजना)	आर0ई0सी तथा पी0एफ0सी0 पोषित योजनाओं के माध्यम से पारेषण लाईनों तथा उपसंस्थानों का निर्माण, सुदृढ़ीकरण तथा केन्द्र सरकार, राज्य सरकार तथा निजी क्षेत्रो को आवंटित विद्युत परियोजनाओं के द्वारा उत्पादित ऊर्जा का सुचारू निष्कासन किया जाना है।		5000	74 प्रतिशत (11 परियोजनायें निर्माणाधीन)	77 प्रतिशत (08 परियोजनायें निर्माणाधीन एवं 03 परियोजनाओं को वित्त वर्ष 2022–23 पूर्ण करना लक्षित है जिसमें से 02 परियोजनाओं को पूर्ण कर ली गई है)	उत्तराखण्ड ट्रासमिशन सिस्टम हेतु (आर0ई0सी/पी0एफ 0सी/नाबार्ड वित्त पोषित योजना) राज्य सेक्टर योजना के अन्तर्गत विभिन्न लाईनों एवम् उपसंस्थान के निर्माण कार्यों हेतु मुख्य परियोजनायें हैं।	विद्युत आपूर्ति में सुधार होगा एवम् वोल्टेज में सुधार के साथ गुणवत्ता युक्त विद्युत आपूर्ति प्रदेश के उपभोक्ताओं को प्राप्त होगी।	2 वर्ष
योग			23160					

सतत विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूपः–

क्र0 सं0	एस0डी0जी0 संकेतक	1/4/2022 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31/3/2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2023–24	परिकल्पित आउटकम (भौतिक स्थिति) 2023–24
1.	7 (प्रस्तावित)	0 प्रतिशत	0 प्रतिशत (निविदा प्रक्रियाधीन है)	उत्तराखण्ड इन्टीग्रेटीड ट्रासमिशन सिस्टम एवम् उत्तराखण्ड के पारेषण तंत्र को सुदृढ करने हेतु प्रमुख परियोजनायें मुख्य है।	विभिन्न हाइड्रो परियोजनाओं द्वारा उत्पादित ऊर्जा सीधे प्रदेश के औद्यौगिक क्षेत्र से जुडेगी तथा प्रदेश के उपभोक्ताओं को कम लागत की जल विद्युत ऊर्जा की प्राप्ति होगी।
		74 प्रतिशत (11 परियोजनायें निर्माणाधीन)	77 प्रतिशत (08 परियोजनायें निर्माणाधीन एवं 03 परियोजनाओं को वित्त वर्ष 2022–23 पूर्ण करना लक्षित है जिसमें से 02 परियोजनाओं को पूर्ण कर ली गई है)	उत्तराखण्ड ट्रासमिशन सिस्टम हेतु (आर0ई0सी/पी0एफ0सी/नाबार्ड वित्त पोषित योजना) राज्य सेक्टर योजना के अन्तर्गत विभिन्न लाईनों एवम् उपसंस्थान के निर्माण कार्यों हेतु मुख्य परियोजनायें हैं।	विद्युत आपूर्ति में सुधार होगा एवम् वोल्टेज में सुधार के साथ गुणवत्ता युक्त विद्युत आपूर्ति प्रदेश के उपभोक्ताओं को प्राप्त होगी।

आउटकम/परफॉरमेन्स बजट 2023–24

विभाग का नाम : यूजेवीएन लिमिटेड

विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित एस0डी0जी0 : एस0डी0जी0 –7

(धनराशि रू0 लाख में)

क्रम0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउटले/बजट		1.4.2022 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	31.3.2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2023–24	आउटकम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व	पूंजीगत					
1.	विद्युत उत्पादन	वर्तमान जल विद्युत गृहों से कुशलता पूर्वक विद्युत उत्पादन	–	–	**5157** मि0यू0	**5389** मि0यू0	**5400** मि0यू0	राज्य को कम दर पर विद्युत उत्पादन प्राप्त होगा।	**2023–24**
2.	राज्य योजना	नई जल विद्युत परियोजनाओं का विकास व निर्माण, पुराने जल विद्युत गृहों का पुनरोद्धार तथा नवीनी–करणीय स्रोतों से विद्युत उत्पादन कर राज्य में पर्याप्त विद्युत उपलब्ध कराना	–	6000.01	त्युनी–प्लासू का डी0पी0आर0 संबंधी कार्य प्रारंभ हो जाएगा	त्युनी–प्लासू का पीआईबी संबंधी कार्य पूर्ण हो जाएगा	त्युनी–प्लासू की निविदा आवंटन कार्य पूर्ण हो जाएगा	279 मि0यू0 ऊर्जा वर्ष 2027–28 से प्राप्त होगी	**2027–28**
			–		ढ़ालीपुर का कार्य 79.25% पूर्ण	ढ़ालीपुर का कार्य 91.25% पूर्ण हो जाएगा	ढालीपुर परियोजनाए (51 मे0वा0) का आर0एम0यू0 कार्य से उत्पादन वृद्धि होगी	36 मि0यू0 अतिरिक्त ऊर्जा प्राप्त होगी	**2023–24**
			–		चीला का	चीला का	चीला परियोजना	224 मि0यू0	**2027–28**

					मॉडल का कार्य प्रारंभ हो जाएगा	मॉडल टेस्टिंग का कार्य पूर्ण हो जाएगा	(144 मे0वा0) का आर0एम0यू0 कार्य से उत्पादन वृद्धि होगी	अतिरिक्त ऊर्जा वर्ष 2027–28 से प्राप्त होगी	
			–		भिलंगना2ए का पीआईबी की जानी है	भिलंगना 2ए की पुनरीक्षित पीआईबी की जानी है	भिलंगना 2ए की निविदा आवंटन कार्य पूर्ण हो जाएगा	158 मि0यू0 ऊर्जा वर्ष 2027–28 से प्राप्त होगी	**2027–28**
			–		मध्यमहेश्वर का 95%, कार्य पूर्ण हो जाएगा	मध्यमहेश्वर का निर्माण कार्य 98% पूर्ण हो जाएगा	मध्यमहेश्वर से 15 मे0वा0 क्षमताा जुढेगी।	101 मि0यू0	**2023–24**
3.	नाबार्ड पोषित	नई लधु जल विद्युत परियोजनाओं का निर्माण	–	0.01	–	–	–	–	–
4.	सी0एस0 एस0– लखवाड	जल विद्युत परियोजना का निर्माण कार्य	–	50000.00	लखवाड परियोजना की निविदा निर्गत	लखवाड परियोजना का अनुबंध हो जाएगा	लखवाड परियोजना के निर्माण एवं आर0एण्डआर0 कार्यों को गति देने से 300 मे0वा क्षमता 2028–29 मे जुढेगी।	573 मि0यू0 ऊर्जा वर्ष 2028–29 से प्राप्त होगी	**2028–29**
5.	विश्व बैंक पोषित	बांध /बैराजों को सुरक्षा एवं स्थिरता प्राप्त होगी।	–	5000.01	विभिन्न बांध/बैराज एवं नहरों पर सुरक्षात्मक कार्य प्रारंभ	विभिन्न बांध/बैराज एवं नहरों पर सुरक्षात्मक कार्य 25%, पूर्ण हो	विश्व बैंक पोषित ड्रिप योजना (Dam Rehabilitation Improvement Program) के अन्तर्गत बांधों, बैराजों एवं नहरों को सुदृढ़ करना।	04 बैराज एवं 02 बांध अधिक सुरक्षित एवं स्थिर होंगे।	**2023–24**

					हो जाएगा	जाएगा			
6.	ए0डी0बी0 पोषित			0.01	–	–	–	–	–
		कुल		61000.04					

(1) 2092 मे0वा0 – 08 वृहद एंव 01 लघु जल विद्युत परियोजनाए (व्यासी(120 मे0वा0 / 375 मि0यू0),लखवाड(300 मे0वा0 / 572.5 मि0यू0), बावला नंदप्रयाग(300 मे0वा0 / 1340 मि0यू0), नंदप्रयाग लंगासू (100 मे0वा0 / 490 मि0यू0), तमकलता (190 मे0वा0 / 807 मि0यू0), किशाऊ (660 मे0वा0 / 1379 मि0यू0), सिरकारीभ्योल–रूपसियाबगर (168 मे0वा0 / 662 मि0यू0),सेलाउर्थिंग (230 मे0वा0 / 816 मि0यू0),भिलंगना–2। (24 मे0वा0 / 158 मि0यू0))

(2) 906.75 मे0वा0 – 08 वृहद / मध्यम परियोजनाए (छिबरो (240 मे0वा0 / 77 मि0यू0), रामगंगा(198 मे0वा0 / 167 मि0यू0), चिला (144 मे0वा0 / 224 मि0यू0), खोदरी (120 मे0वा0 / 38 मि0यू0), तिलोथ(90 मे0वा0 / 38 मि0यू0), ढ़ालीपुर(51 मे0वा0 / 36 मि0यू0), ढ़करानी(33.75 मे0वा0 / 23 मि0यू0), कुल्हाल(30 मे0वा0 / 38 मि0यू0),)

(3) 5 मे0वा0 – सुरिनगाड–।।(5 मे0वा0 / 26.41 मि0यू0),

(4) 23.5 मे0वा0 – कालीगंगा –।(4 मे0वा0 / 25.94 मि0यू0), कालीगंगा –।।(4.5 मे0वा0 / 29.76 मि0यू0), मध्यमहेश्वर (15 मे0वा0 / 101 मि0यू0),